www.kautilyaacademy.com

हम हैं तैयार

आपको तैयार करने के लिए !

REGULAR OFFLINE CLASSES STARTED

हम विद्यार्थियों को बेहतर शिक्षा देने के लिए समर्पित हैं. सभी सुरक्षा मानकों का विशेष ध्यान रखते हुए सुरक्षित एवं सेनिटाइज़्ड वातावरण में कक्षाएं प्रारम्भ हो चुकी हैं एवं एडमिशन की प्रक्रिया जारी है. आप भी अपने सुरक्षित भविष्य के लिए कौटिल्य एकेडमी आएं और सफलता पाएं.

KAUTILYA MENTORS

Mr. Shridhant Joshi
Managing Director

Mr. Ashendra Mishra
Director

Mr. Manmohan Joshi
C.E.O.

Mr. Sunil Tiwari
National Co-ordinator

Mr. Devendra Mishra
CRM

Mr. Rishi Bhosle
H.O.D. English Medium

IAS/IPS की तैयारी
10वीं / 12वीं के तुरंत बाद शुरू करें

कौटिल्य एकेडमी **संरचना** — 10वीं के बाद 5 वर्ष का कोर्स

कौटिल्य एकेडमी **संकल्प** — 12वीं के बाद 3 वर्ष का कोर्स

OUR YOUNG ACHIEVERS

IRS
UPSC - 2018
AMBUL SAMAIYA

Deputy Collector
MPPSC - 2018
KIRAN ANJANA

Deputy Collector
MPPSC - 2018
TARUN JAIN

DSP in 20 Yrs.
DC in 21 Yrs.
IRS, UPSC in 22Yrs.
AKSHAY SINGH

Deputy Collector
PRAMOD GURJAR

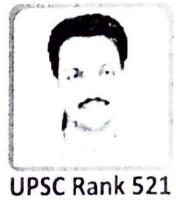

UPSC Rank 521
VAYAVYA CHOUBEY

FEATURES OF SANRACHNA PROGRAM

• Daily 3 Hours Classes • News Paper Reading Session • NCERT Oriented Classroom Teaching in order to Cover 11th & 12th School Syllabus • School & Hostel Facility Available • Vocabulary & Comm. Skills Development Sessions • Visual Representation of Core General Studies topics such as History, Polity, Geography Economy, Science & Technology. Environment. • Special Classes of PCB, PCM, Commerce & Humanity to cover School Syllabus

नई बैचेस में प्रवेश प्रारंभ

OFFLINE

COURSES

- IAS • IPS
- MPPSC
- CJ-II
- NDA-CDS
- MPSI
- CONSTABLE
- SSC
- BANK

IAS • IPS • MPPSC • CJ-II • ADPO • NDA-CDS • MPSI • SSC • BANK • RAILWAY • ENGINEERING • RANGER

कौटिल्य एकेडमी

KAUTILYA ACADEMY INDORE

मुख्यालय : BHANWARKUA SQUARE INDORE. Call : 94250 68121, 98939 29541

PRESS COMPLEX	RAJWADA	FOOTI KOTHI	GEETA BHAWAN	KALANI NAGAR	VIJAY NAGAR
Swadesh Bhawan, Ground Floor Press Complex, A.B. Road, Indore M. 81090 76501, 97555 52547	Shivaji Bhawan, Jawahar Marg Near Gurudwara Indore M. 91110 21931, 91110 21921	102, 1st Floor, Surya Bhawan Above Bank of Baroda, Indore M. 91111 01251, 91111 01351	Kanchan Bagh, Geeta Bhawan Square, Indore M. 91111 84111, 94250 68121	89, Somani Nagar, 60 Feet, Airport Road, Indore M. 91110 19121, 91110 19131	RH14 Scheme No 54 Vijaynagar, Indore M. 91110 24126

OUR PRESENCE : INDORE, JABALPUR, BHOPAL, GWALIOR, SAGAR, CHHATARPUR, REWA, SATNA, CHHINDWARA, BALAGHAT, UJJAIN, GUNA, SHIVPURI, DHAR, JHABUA, BADWANI, TIKAMGARH, KHANDWA, RATLAM, DAMOH, NIWARI, KATNI, RAIPUR, BILASPUR, RAIGARH, BHILAI, JAIPUR, HOSHANGABAD, SHAHDOL, VIDISHA, SEHORE, BETUL, NARSINGHPUR

रफ कार्य हेतु स्थान।
SPACE FOR ROUGH WORK

क्षेत्र में किसानों की आय में भारी सुधार के साथ साथ
रोजगार की उच्च प्रयोगात्मक है। रिपोर्ट में यह भी
उल्लेखित है कि वर्ष 2024 तक भारत में खाद्य प्रसंस्करण
क्षेत्र में 33 अरब डॉलर का निवेश करने एवं 90-
लाख नए रोजगार सृजन करने की क्षमता है।
खाद्य प्रसंस्करण उद्योग खेतों और बाजारों के मध्य
सेतु का कार्य करता है। बाजार जिससे किसानों को
न्यूनतम समापेक्षी निवेश को बढ़ावा देने में सहायक है
सरकार द्वारा इस उद्योग के विकास के लिए प्रयास
लगातार जारी है। सरकार ने 42 मेगा फूड पार्कों की
स्थापना की घोषणा के साथ शीत भंडारण, फार्म-
गेट लिंकेज सुविधाओं के साथ प्रधानमंत्री किसान संपदा
योजना का शुभारंभ किया गया। साथ ही एक जिला - एक
उत्पाद को बढ़ावा देने का प्रयास किया गया है। और
क्षेत्र का मुजफ्फरपुर की लीची, नागपुर का संतरा, नासिक का अंगूर, देहरादून
की नाशपाती आदि। साथ ही जापानी, कोरियन
उत्पादों की मांग में निरंतर वृद्धि देखी जा रही है।

भारत में सामाजिक तथा आर्थिक स्तरों में संयुक्त परिवार
के विघटन एवं एकल परिवार की वृद्धि के साथ पूर्ण
पूर्ण खाद्य पदार्थों की मांग बढ़ी है। साथ ही आधुनिक
जीवन ने उपभोक्तावादी प्रवृत्ति को बढ़ावा, जिससे खाद्य
प्रसंस्कृत उत्पादों की मांग में तेजी से वृद्धि हुई है।
नीति आयोग ने भी 2022 तक किसानों की आय में वृद्धि
तथा ग्रामीण आधारभूत के विकास में महत्वपूर्ण माना है।

प्रश्न 3. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 250 शब्दों में निबंध लिखिए। 1x25=25

पू./M = 25

प्राप्तांक

(Q.2) Continue (जारी)

~~संभावनाएँ: स्वास्थ्य आपूर्ति श्रृंखला में इन उद्योगों को अपार संभावना है। स्वास्थ्य उत्पादों ने भारत आत्मनिर्भरता को प्राप्त कर लिया है, अधिक शोध स्वास्थ्य को बरबादी से बचाने में सहायक है स्वास्थ्य प्रबंधन।~~

~~वस्त्र उद्योग: नारी कपड़ा एवं शहरी कपड़ा में लोगों की जीवन शैली और कार्य शैली में व्यापक बदलाव आए हैं। ऐसे में इन उत्पादों में निरंतर वृद्धि उत्पाद, कार्य एवं बदलते प्रभावों की मांग रही है।~~

~~साथ ही विशाल जनसंख्या का प्रबंधन भी संभव है। अर्थ में प्रयुक्त वस्त्र उत्पादों की उपयोगिता रही है यह ग्रामीण आजीविका में भी सहयोगी हो सकता है।~~

~~स्वास्थ्य का अतिरिक्त भाग भागों में प्रयुक्त उत्पाद के निर्यात से ग्रामीण आजीविका को रोजगार एवं आय की वृद्धि करने में सहायक है।~~

~~व्यवहार्यता: लघु उद्योगों के निर्माण से लोगों का शहरों की ओर पलायन रुक जाएगा तथा शहरी संसाधनों पर दबाव भी नहीं बढ़ेगा। साथ ही शहरी एवं गाँव के मध्य की खाई कम होगी। आय असमानता को कम करने में सहायता मिलेगी। स्वास्थ्य प्रबंधन में भी विविधता आएगी। रुचि के अनुसार तथा बाजार की आवश्यकताओं के अनुसार उत्पादन होगा।~~

~~ऐसोचैम तथा ग्रांट थॉर्नटन (फिक्की) द्वारा प्रकाशित संयुक्त रूप अध्ययन में पाया गया कि भारत में स्वास्थ्य प्रबंधन क्षेत्र~~

प्रश्न 3. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 250 शब्दों में निबंध लिखिए। 1x25=25

पू./M = 25

प्राप्तांक

(02.) Continue (जारी)

के व्यवसाय एवं व्यवहार में अनेक जटिलताएं
उभर कर सामने आई है। जैसे गरीबी,
कुपोषण, भुखमरी, बेरोजगारी, प्रवासन, आर्थिक
असमानता आदि अनेक समस्याएं दृष्टिगोचर
हो रही है। वहीं कृषक आत्महत्याएँ, गाँव-शहर
के बीच खाई, तथा अनेक सामाजिक आर्थिक एवं
पर्यावरणीय को कम करने एवं लोगों के जीवन
की गुणवत्ता में सुधार तथा राष्ट्र के विकास में
खाद्य प्रसंस्करण उद्योग में अनेक सम्भावनाएं उभर कर
सामने आई है।

भारत में इस उद्योग के लिए अनुकूल भौगोलिक
दशाएं, कृषि जलवायु क्षेत्र, मृदा की विविधता
एवं प्रचुर श्रम संसाधन के साथ विशाल जनसंख्या
का पाया जाता है। किंतु खाद्य प्रसंस्करण क्या है,
कौन-किन प्रक्रियाओं का समावेश होता है?
खाद्य प्रसंस्करण कृषि उपज या अन्य संसाधन के
मूल उत्पाद में उसके स्वरूप, गुण एवं दीर्घ-
काल तक उपयोग हेतु नवीनता एवं कौशल से
परिष्कृत करना है। जैसे आम के द्वारा अचार,
जैम, जेली, जूस, अमावट (पके आम
के रस को धूप में सुखाना) के रूप में, डेयरी-
उत्पाद जैसे दूध से पनीर, घी, दही, पनीर आदि
का निर्माण करना तथा अन्य ब्रांड (ब्रांडिंग) में संचय
कर शहर एवं बाजार तक पहुंचाया जाता।

प्रश्न 3. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 250 शब्दों में निबंध लिखिए। 1x25=25

पू./M = 25

प्राप्तांक

(1) ई - गवर्नेंस।

(2) खाद्य प्रसंस्करण उद्योग की संभावनाऐं।

(3) क्या लोकपाल भ्रष्टाचार को खत्म में सफल है ?

उत्तर (02) : खाद्य प्रसंस्करण उद्योग की संभावनाएँ

"खेती के हैं हम रंग
खेती बिना न जीते जंग
खेती भोगी औ रखवाल, खेती बिना न चलते जमाल

खेती करना हम ने पायी
तभी सभ्य आयी की भुखा मिटाई ||

संत गरीब दास जी (छुड़ानी - हरियाणा) द्वारा रचित इन चंद पंक्तियों से खेती की गरिमा, महिमा एवं सामर्थ्य का उद्बोध प्रकट होता है।

खेती का सम्बंध जीवन एवं जीवन-यापन दोनों से है। जीवन के संदर्भ में भौतिक शरीर की उदरपूर्ति एवं पोषण; तथा जीवन-यापन का सम्बंध जीवन की अन्य भौतिक आवश्यकताओं यथा- रोटी, कपड़ा, मकान आदि) से है। किंतु बदलते वैश्विक परिदृश्य में जीवन-आधार अनाज

1x25=25

प्रश्न 2. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 250 शब्दों में निबंध लिखिए।

पू./M = 25

प्राप्तांक

(....) Continue (जारी)

मानव जीवन और सभ्य समाज की आधार शिला है - अनुशासन। यह न केवल एक उत्तम जीवन-शैली है, बल्कि सभ्य समाज के सुसंचालन का एक उपकरण भी है।

अनुशासन का अर्थ स्वयं को एक निश्चित नियमों के अनुरूप क्रियान्वित करना है। जीवन में प्रत्येक क्रिया के अनुपालन में अपनी आजादी और सीमाओं को मर्यादित रखकर पालन करना। अनुशासन व्यक्तिगत एवं व्यावहारिक सफलता को जन्म देता है।

महत्व - सभ्य समाज के केन्द्र में अनुशासन मुख्य-भूमिका रखता है। सम्पूर्ण प्रकृति एक अनुशासन में-बंधकर चलती है। इसीलिए इसके किसी भी क्रिया में बाधा नहीं आती। दिन-रात नियमित रूप से चलते रहते हैं। इससे स्पष्ट होता है कि अनुशासन के माध्यम से सभ्य समाज और सशक्त राष्ट्र का निर्माण संभव हो सकता है। 'एक भारत - श्रेष्ठ भारत' का सपना साकार हो सकता है। गांधी जी का अनुशासन सबके सामने है। उससे चलने पर समाज विकसित और निर्मित है।

हानियाँ : अनुशासन के अभाव में समाज में अनाचार, दुराचार, व्यभिचार, हिंसा तथा निंदा बढ़ती है। समाज में आसुरी शक्तियों का प्रभाव पड़ता है। समाज की हानियाँ बढ़ती अनुशासनहीनता का ही परिणाम है।

प्रश्न 2. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 250 शब्दों में निबंध लिखिए। 1x25=25

पू./M = 25

प्राप्तांक

(.....) Continue (जारी)

अनुशासन की शिक्षा का प्रारंभ घर से होता है। बाल मन जो करता, सुनता है वैसा ही अनुकरण करता है। शिक्षकों से संस्कारों के माध्यम से दायित्व और कर्तव्य का पाठ पढ़ाने से बेहतर चरित्र और व्यक्ति का निर्माण होता है। इस गुण से समाज सभ्यता के शिखर तक पहुँचता है। राष्ट्र का मान-सम्मान बढ़ता है।

धर्म : मानवों को व्यवस्थित करने तथा जीवन में उच्च आदर्शों एवं गुणों का विकास होता है। पवित्र मन, बुद्धि एवं ज्ञान के संचार से सभ्य समाज का निर्माण होता है और अनुशासन का महत्व योगदान रहता है।

अनुशासन वह निर्मल धारा है जिसके प्रवाह के अनुकरण से समाज समुन्दर की तरह विशाल, विस्तृत एवं शांति की प्राप्ति होती है। जहाँ नीरसता समाप्त होकर मानवीयता एवं संगठनता का विकास होता है। इससे समाज को परिवर्तित करने एवं नई दिशा देने की अपार क्षमता होती है। जीवन अर्थपूर्ण और उद्देश्य पूर्ण बनाती है।

नायक के अन्दर रामू धाविमारे ने इसी गुण को देखकर अपने उद्देश्य की पूर्ति की राह देखी।

बिना कुरीति का पल, सभ्यता मूल्यवर्धों से जानती है, स्वतंत्रता के साथ बड़ी होती है, अव्यवस्था से विकसित होती है।

प्रश्न 2. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 250 शब्दों में निबंध लिखिए। 1x25=25

पू./M = 25

प्राप्तांक

(1) राजभाषा हिन्दी की विकास यात्रा।

(2) अनुशासन सभ्य समाज की धुरी।

(3) भारत और कल्याणकारी राज्य।

उत्तर (2) : रामू धनिराम अपना ध्येय का गहना लिये
सुहाना दरिया के तट पर खड़ा है। लेकिन पहाड़ी
क्षेत्रों में बारिश होने से दरिया में जलस्तर बढ़ने
से दरिया आज उफान पर है। ऐसी स्थिति में वह
दरिया के पार जाने में असमर्थ लग रहा है।
अपने मन में कुछ विचार कर रहा था तभी उसने
देखा कि सेना की एक टुकड़ी, उसकी ओर आ
रही थी। वह डर कर एक पेड़ की ओट में खड़ा हो
जाता है। वह देखता है कि एक आदमी के आदेश
से सब कार्य कर रहे हैं। शायद वह टुकड़ी का-
नायक था। रामू ने हिम्मत जुटाकर उस नायक से
उन सफलता की माँग की। तब नायक ने उससे जानना
चाहा कि तुमने इतनी थोड़े से समय में ही क्यों सलाह
मांगी? इस सवाल पर रामू का जो जवाब था
उसे सुनकर नायक हतप्रभ हो गया। उसने
बताया जिस गुण की पूर्ति तलाश थी वह इन सब
में नहीं था। जिस गुण की मुझे तलाश थी वह
केवल आप में था। जिसके कारण मैं अपने उद्देश्य
की पूर्ति समझता हूँ।
मानव जीवन की सबसे बड़ी अमूल्य धरोहर अनुशासन।

प्रश्न 1. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 1000 शब्दों में निबंध लिखिए। 1x50=50

पू./M = 50

प्राप्तांक

(.....) Continue (जारी)

इस वर्ष की आयु में ही स्वच्छ यशि पर लग गये हमें और हमारे समाज को पुरातन रुढ़िवादी व कुत्सित धारणाएँ बदलनी होगी। जिन गुणों को विचार एवं व्यवहारों को हम निर्धारित करेंगे, वही हमारे आचरण व्यवहार में उभर कर सामने आएगी।

क्या सरकार और सामाजिक व अन्य संगठन इस विषय में कुछ प्रयास कर सकते है? क्या सच्चे ज्ञान से भारत 'विश्व गुरु' बन सकता है? हमारी धार्मिक संस्कृति की जड़ें बहुत गहरी और मजबूत है। अल्लामा इकबाल भी कहते है, यूनान, मिस्र, रोमा, मिट गए सब जहाँ से, कुछ बात है कि हस्ती मिटती नहीं हमारी..।

शासन प्रशासन सबकी नीतियों और नियम में अहम भूमिका निभाते हैं। अतः इस पर दल का शासन तंत्र संचालित होते हैं उनकी नीतियों, योजनाएँ, और कार्यक्रमों में सत ज्ञान का प्रचार हो, समाज में अश्लीलता न परोसी जाए, कला के नाम पर झूठी फूहड़ता पर रोक हो। बच्चों एवं महिलाओं की सुरक्षा की शिक्षा का पालन न किया जाए। संतों, महापुरुषों, की वाणी एवं विचारों का प्रचार हो, तब सच्चा आचरण पर्यावरण का निर्माण।

॥ ज्ञान सागर अति उजागर, निर्विकार अज रंजन

श्रेष्ठ ज्ञानी, महाध्यानी सत सुकृत दुख भंजन ॥

प्रश्न 1. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 1000 शब्दों में निबंध लिखिए। 1x50=50

(.....) Continue (जारी)

पू./M = 50

प्राप्तांक

एक नन्हा पौधा अपने विकास क्रम में कई परिवर्तनों से गुजरता और कई समस्याओं एवं चुनौतियों का सामना कर विशाल वृक्ष में परिणत होता है, और कई जीव जन्तुओं को आश्रय व भोजन प्रदान करता है।

ठीक उसी प्रकार से एक स्वस्थ व्यक्ति ही स्वस्थ समाज एवं राष्ट्र का निर्माण कर सकता है।

राज्य की धुरी घर है, और घर की धुरी महिला। एक शिक्षित, सुसंस्कृत स्त्री ही ज्ञानवान एवं गुणवान बच्चे का निर्माण कर सकती है। घर का वातावरण, परिवार का वातावरण एवं समाज का वातावरण स्वस्थ हो, उसके विचार, स्वभाव में एकरूपता हो। बचपन से ही सत्य का घर परिवार तथा समाज में प्रचार हो, सभी के बीच समन्वय, सहयोग और सहभागिता हो। उस परिवेश में किसी भी प्रकार की सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक, राजनीतिक गन्दगी का अभाव हो।

सद वचनों एवं सद कर्मों से अभिसिंचित ऐसा बालक निश्चित ही मर्यादित एवं स्वाभिमानी होकर स्वस्थ व्यक्ति बनेगा तथा स्वस्थ समाज और राष्ट्र के निर्माण में सहयोगी होगा। उदाहरण स्वरूप माता सुनीति ने 'ध्रुव' को पाँच वर्ष की आयु में ही भक्ति दिया। धर्म की शिक्षा दी। भक्त प्रह्लाद

प्रश्न 1. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 1000 शब्दों में निबंध लिखिए। 1x50=50

पू./M = 50

प्राप्तांक

(.....) Continue (जारी)

सच्चा ज्ञान के सन्दर्भ में गोरखनाथ जी ने बताया। "और ज्ञान सब ज्ञानडी, कबीर ज्ञान सो ज्ञान। जैसे सोना तपि का, कहा चर्चो मैला।"

कबीर जी के ज्ञान से सत्य समाज और साम्प्रदायिक सद्भाव का निर्माण संभव है। क्योंकि अपने समय की व्याप्त सामाजिक कुरीतियों, धर्मान्धता और रूढ़ियों पर करारा प्रहार करते, तथा समाज में प्रेम, दया, मानवीय कल्याण के संदेश का प्रचार-प्रसार बड़े सरलता एवं निडरता से काम किया। वे समाज में व्याप्त धर्मान्धता के लिए कहा करते थे - 'करनी तज, कथनी कथे, ये अज्ञानी दिन रात, कूकर ज्यूं भौंकत फिरै, ये सुनी सुनाई बात।'

वे करनी तथा कथनी में समरूपता लाने की वकालत करते नजर आते हैं। जो समकालीन राजाओं एवं महाराजाओं को भी सचेत करते दिखाई देते हैं। जिन गुणों से सच्चा ज्ञान का निर्माण होता है उसमें ज्ञान, भक्ति, सेवा, दया, धर्म आदि गुणों का विकसित किया जाना आवश्यक है। इससे अपनी धारणीयता को बढ़ावा होगा, क्योंकि धर्म का अर्थ 'धारण' करने से है। उन गुणों का व्यवहार किस प्रकार किया जा सकता है? क्या बाल्यकाल से ही सीख लिए

प्रश्न 1. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 1000 शब्दों में निबंध लिखिए। 1x50=50

पू./M = 50

प्राप्तांक

(.....) Continue (जारी)

कैसे होगा है स्वस्थ समाज का निर्माण? क्या है स्वस्थ समाज का स्वरूप? भारत गांधी का देश है। भारत की आत्मा ग्रामीण जीवन शैली में सुन्दर होता है। महात्मा गाँधी ने स्वस्थ समाज के लिए 'राम राज्य' की स्थापना की बात की है। गाँधी जी के 'राम राज्य' का स्वरूप निम्न पंक्तियों से उजागर होता है -

"राम राज्य बैठे त्रैलोका
हर्षित भए, मिट गये सब शोका"

निःसन्देह एक स्वस्थ समाज का यही स्वरूप हो सकता है। जहां सभी व्यक्तियों, जीवों, प्रकृति सब में हर्ष, उल्लास और आनंद की प्राप्ति हो, किसी को कोई भय, शोक या संताप न हो।

इस कल्पना के स्वरूप को साकार करने में 'विधान' का क्या आधार है? क्या मात्र कठोर कानूनों से इसकी प्राप्ति हो सकती है? भारतीय संविधान एक स्वस्थ, सक्षम और समृद्ध राष्ट्र की कल्पना करता है। संविधान की शक्तियों का प्रयोग कर समाज और देश में व्याप्त कुरीतियों को समाप्त करने के लिए कठोर कानून बनाये। किंतु भ्रष्टाचार, अनाचार, दहेज प्रथा, कन्या भ्रूण हत्या ज्यों की त्यों विद्यमान है। ये सरकार और समाज की विफलता का संकेत है। स्वच्छ मन ही स्वास्थ्य

प्रश्न 1. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 1000 शब्दों में निबंध लिखिए। 1x50=50

पू./M = 50

प्राप्तांक

(.....) Continue (जारी)

क्या आधुनिक एवं वैज्ञानिक शिक्षा पद्धति से; सभ्य समाज का निर्माण हो सकता है? क्या 'सूट-बूट-टाई' सभ्य समाज का प्रतीक या मानक है? क्या ऊँचे ऊँचे भवन विशाल आधुनिक बड़े-बड़े प्लांट (Plant) सभ्य समाज के परिचायक हैं? वैज्ञानिक प्रगति और तार्किकता के मामलों में यूरोपीय देश अग्रणी हैं। इससे उनकी औद्योगिक उपलब्धियां तथा जीवन की गुणवत्ता में भी वृद्धि हुई है। एक नजरिये से वे ज्यादा सभ्य लगते हैं। सूट बूट और टाई के पहनावे से वे अपनी आधुनिक एवं सामाजिक एकता को प्रदर्शित करते नजर आते हैं किंतु सूट बूट और टाई के साथ जब एक व्यक्ति तकनीकों का सहारा लेकर सबको अपनी हिंसक प्रवृत्तियों से परिचित कराता है तो निश्चित तौर पर सभ्य समाज की देन नहीं कहा जा सकता है।

इस प्रसंग में एक बार एक अंग्रेज ने डॉ. राधाकृष्णन से कहा, तुम भारतीय कितने अजीब हो, कोई छोटा, कोई बड़ा; कोई धोती पजामा; कोई पगड़ी, कोई कुर्ते में पाये जाते हो। हम देखो सब एक रंग, एक कद और पहनावे भी एक रूप में हैं। तब डॉ. राधाकृष्णन ने जवाब दिया कि तुम मूर्ख हो, सारे गधे एक जैसे होते हैं। हम भारतीय रंग बिरंगे घोड़े हैं। सटीक जवाब मिला

प्रश्न 1. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 1000 शब्दों में निबंध लिखिए। 1x50=50

पू./M = 50

प्राप्तांक

(.....) Continue (जारी)

भारतीय समाज के ऐतिहासिक ग्रन्थों में आर्य समाज को सभ्य और कुलीन माना जाता है। वैदिक ग्रन्थों का आचरण, पूजा-पाठ, कर्म-काण्ड, कथा, व्रत आदि क्रियाओं में अन्य वर्गों और जातियों में स्वयं को श्रेष्ठ और सभ्य स्थापित करते हैं। किंतु समाज में सती प्रथा, जीव हिंसा, पाखंडवाद, पत्थर पूजा, अस्पृश्यता, ऊँच-नीच आदि सामाजिक कुप्रथाएँ, इस समाज में असभ्यता की ही परिचायक है।

क्या यूरोपीय व औपनिवेशिक समाज की 'सभ्य समाज' की कल्पना आधार होती है? क्या वे हम भारतीय लोगों से ज्यादा सभ्य हैं? यूरोपीय समाज का इतिहास रक्तरंजित दिखाई देता है। उपनिवेश विस्तार और उपनिवेशित शोषण के लिए हिंसा का सहारा लिया। विश्व में उपनिवेश - ब्रिटेन, फ्रांस, डच और पुर्तगीज कुछ प्रमुख उपनिवेशिक देश हैं जहाँ हिंसा के कारण ने अन्य देश के लोगों को शरणार्थी संकट में डाल दिया है। क्या समाज का यह प्रतिबिंब असभ्य और अमानवीय है।

'नीति आयोग' ने भारत को 'ज्ञान आधारित समाज' के निर्माण के महत्व को बताया है। सरकार ने भी अपनी घोषणाओं से एक भारत - श्रेष्ठ भारत के निर्माण का आह्वान किया है। लेकिन कैसे?

प्रश्न 1. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 1000 शब्दों में निबंध लिखिए। 1x50=50

(.....) Continue (जारी) पू./M = 50 प्राप्तांक

उच्च शिक्षा प्राप्त लोग कभी कभी असभ्य समाज को जन्म देते हैं। जैसे भ्रष्टाचार, कन्या भ्रूण हत्याएं (केरल) और यातनीय स्थितियां आदि।

क्या सभ्य समाज के निर्माण में उच्च नैतिक-मूल्य चुकाना पड़ता है? व्यावहारिकता ऐसा देखा- और पाया जाता है कि लोग अपने बच्चों को महंगी से महंगी शिक्षण संस्थाओं में दाखिला दिलाते हैं। नये नये आधुनिक भौतिक वस्तुओं की खोजों के लिए लाखों खर्च करते हैं, पर इन सब प्रयासों के चलते असभ्य और अमानवीय हो जाते हैं।

अभी भी 'रेयान इंटरनेशनल पब्लिक स्कूल' की घटना हमारे मन मस्तिष्क से भूली नहीं है। ऐसा प्रतीत होता है उच्च शिक्षा, धन वैभव से सभ्य समाज का निर्माण मुश्किल जान पड़ता है। निश्चित ही सभ्य समाज के लिये उच्च कुल या उच्च जाति या वर्ण में जन्म होना आवश्यक है। कुछ लोगों ने जिन्हें बड़े लोगों में परिभाषित किया, जिन्हें वे सभ्य मानते थे; उनकी बातों व्याख्या से एक सभ्य समाज की कल्पना की थी।

क्या सभ्य समाज के निर्माण के लिए कुलीन होना आवश्यक है?

1x50=50

प्रश्न 1. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 1000 शब्दों में निबंध लिखिए।

पू./M = 50

प्राप्तांक

(.....) Continue (जारी)

सचिन तेंदुलकर को कौन नहीं जानता? नाम लेते ही मन में भाव जाग्रत होता है सम्मान का, सम्मान और श्रद्धा एक साथ उमड़ पड़ती है। विश्व रत्न, विनीत, सरलता की मिसाल। क्रिकेट के मैदानों में कई बार अम्पायर के गलत निर्णयों से वे शिकार हुये, किंतु कभी अपनी प्रतिक्रिया नहीं दी। सदैव सब आलोचना का सम्मान किया। उनके इन्हीं गुणों ने उन्हें भारत रत्न बनाया।

उनकी शिक्षा तो ज्यादा नहीं है। उन्होंने पूरी बारहवीं की पढ़ाई नहीं की। फिर भी नाम लेते ही उनके सम्मान में सर झुक जाता है।

इस उदाहरण ने स्पष्ट कर दिया कि मानवीय गुणों एवं नैतिक मूल्यों के विकास के लिए किसी विशेष डिग्री की आवश्यकता नहीं है।

क्या फिर उच्च शिक्षण संस्थानों, डिग्रियों की सभ्य समाज निर्माण में कोई भागीदारी नहीं?

संकीर्ण विचार वाले व्यक्ति ऐसा सोच सकते हैं- किंतु व्यापक और दूरदर्शी अध्ययन से यह धारणा गलत होती नजर आती है। जीवन निर्माण, एवं अनुसंधान एवं जन कल्याण हेतु इन संस्थानों का अभूतपूर्व योगदान है। किंतु केवल एकमात्र शिक्षा ही सभ्य समाज के निर्माण में सहयोगी नहीं।

1x50=50

प्रश्न 1. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 1000 शब्दों में निबंध लिखिए।

पू./M = 50

प्राप्तांक

(.....) Continue (जारी)

क्या उसे पाने के लिए उच्च कोटि की डिग्री हासिल करनी होगी? या फिर वैज्ञानिक शिक्षण संस्थानों एवं अनुसंधान एवं प्रशिक्षण केन्द्रों में जाना होगा? क्या उसकी प्राप्ति हेतु 'उच्च भौतिक मूल्य' चुकाना होगा? या फिर उच्च मानवीय गुणों एवं नैतिक मूल्यों का विकास करना होगा?

भारतीय समाज विभिन्न जातियों - उप जातियों, धर्मों, पंथों, सम्प्रदायों, वर्गों और श्रेणियों में बंटा हुआ है। वन्य प्रान्तों में जनजातीय एवं आदिवासी समाज मैदानी भागों में आर्य समाज (गंगा-यमुना घाटी) तथा द्वीपीय प्रदेशों में द्रविड़ समाज आदि। सब के बीच अपनी अपनी मान्यताएँ, क्रियाओं से व्याप्त कर्मकांड हैं। सभी समुदायों में अपने अपने 'सत्य' और 'असत्य' के मापदंड स्थापित हैं। वास्तव में सभ्यता का संदर्भ इस बात से है - जो समाज में मानवीय गुणों यथा दया, करुणा, प्रेम, भाईचारा, सहयोग, परस्पर तथा सद्भावना आदि गुणों का विकास करे। व्यक्ति, परिवार, समाज एवं राष्ट्र का सकारात्मक एवं रचनात्मक तरीके से निर्माण में सहयोगी हो।

तो क्या इन मानवीय गुणों एवं नैतिक मूल्यों के सीखने के लिए किसी विशेष योग्यता या शिक्षा की जरूरत है?

1x50=50

प्रश्न 1. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 1000 शब्दों में निबंध लिखिए।

पू./M = 50

प्राप्तांक

(1) ज्ञान का व्यवहारिक होना सभ्य समाज का द्योतक है।

(2) भारत में स्वास्थ्यः स्थिति, समस्या तथा सुधार।

(3) भारत और कोविड- 19

(4) अंतर्राज्यीय जल - विवाद।

उत्तर : (1) ज्ञान का व्यवहारिक होना सभ्य समाज का द्योतक

'रामचरित मानस' के उत्तरकांड में एक प्रसंग में - गरुड़ जी ने काकभुशुण्डि जी से पूछा इस संसार में 'सबसे दुःख कवन, कवन सुख भारी' इस सवाल पर काकभुशुण्डि जी ने अपनी बुद्धि विवेक और ज्ञान के आधार से उत्तर दिया -

"नहिं दरिद्र सम दुःख जग माहीं
संत मिलन सम सुख जग नाहीं"

वास्तव में सांसारिक व्यवहार में दरिद्रता रूपी महादुःख के उपाय स्वरूप 'धन' की माँग क्या, क्योंकि धन के अभाव में ही मनुष्य दरिद्र है। किंतु काकभुशुण्डि जी ने अपने बुद्धि कौशल का प्रयोग करके संसार की अवधारणा का खंडन किया है। सभ्य समाज के निर्माण में 'ज्ञान' की महत्ता को इस प्रसंग में चरितार्थ किया गया है। किन्तु वे कौन से गुण हैं, या ज्ञान है जिससे सभ्य समाज का निर्माण होता है? कैसे उस ज्ञान की प्राप्ति हो? किस तरह से व्यवहार में उसका प्रभाव और

कौटिल्य एकेडमी

तारीख - 15-02-2021

नमूनार्थ प्रश्नोत्तर पुस्तिका
Sample Question Answer Booklet

306666

Paper Code
GS-VI

रोल नंबर अंतर्राष्ट्रीय अंको में लिखें –
(1, 2, 3, 4, 5, 6, 7, 8, 0)

रोल नंबर शब्दों में लिखें –

नाम हरिश्री

Paper Code
GS-VI

306666

अभ्यर्थी द्वारा सावधानीपूर्वक भरा जावें।

Roll No.

0	0	0	0	0	0
1	1	1	1	1	1
2	2	2	2	2	2
3	3	3	3	3	3
4	4	4	4	4	4
5	5	5	5	5	5
6	6	6	6	6	6
7	7	7	7	7	7
8	8	8	8	8	8
9	9	9	9	9	9

अभ्यर्थी के अनुक्रमांक एवं पहचान पत्र को प्रवेश पत्र से मिलान पश्चात् ही वीक्षक बॉक्स में हस्ताक्षर करें

वीक्षक द्वारा भरा जावे।

यदि अभ्यर्थी अनुचित साधन का उपयोग करते हुए पाया जाता है तो वीक्षक निम्नांकित गोले को काले/नीले पेन से भरे एवं तत्काल केन्द्राध्यक्ष को सूचित करें :

(केन्द्राध्यक्ष के हस्ताक्षर एवं सील परीक्षा भवन में)